परमेश्वर के रहस्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

मैं तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में नमस्कार करता हूँ। आओ हम मिलकर पवित्रशास्त्र पर मनन करें। परन्तु आगे बढ़ने से पहले, मैं चाहता हूँ कि तुम एक छोटा-सा पहेली जैसे प्रश्न पर थोड़ी देर विचार करो। चाहे उत्तर मिले या न मिले, पढ़ते रहो—मैं अंत में इसका रहस्य खोलूँगा।

पहेली यह है:
“दाऊद हफ़्ते में सौ बार दाढ़ी बनाता है, फिर भी उसकी ठोड़ी पर बहुत बाल रहते हैं। क्या तुम बता सकते हो क्यों?”

सोचो… और बाद में उत्तर दूँगा।

बाइबल में रहस्य
बाइबल एक ऐसा ग्रंथ है जिसमें अनगिनत रहस्य छिपे हुए हैं। इनके उत्तर कभी सरल हो सकते हैं—पर तभी जब हम उस प्रभु पर भरोसा करें जिसने इनको प्रकट किया है। जब हमें सही उत्तर नहीं मिलता, तो अक्सर हम स्वीकार करने में हिचकते हैं कि हमें नहीं मालूम। फलस्वरूप कुछ लोग सोचते हैं कि शायद बाइबल में गलती है, या फिर वे अपनी ओर से गलत व्याख्या गढ़ लेते हैं।

बाइबल में अनेक गूढ़ बातें हैं। उनमें से एक सबसे महत्वपूर्ण रहस्य है परमेश्वरत्व का रहस्य। पवित्रशास्त्र सिखाता है कि परमेश्वर एक ही है (व्यवस्थाविवरण 6:4)। फिर भी, यीशु मसीह को भी

परमेश्वर के रहस्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

परमेश्वर कहा गया है, और पवित्र आत्मा को भी। तब प्रश्न उठता है—एक ही परमेश्वर कैसे तीन रूपों में प्रकट होता है?

कई लोग इसका उत्तर बहुत साधारण तरीके से देते हैं: “परमेश्वर एक है पर तीन व्यक्तित्वों में प्रकट होता है।” परन्तु यह सरल उत्तर और भी अधिक प्रश्न खड़े करता है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो मसीह को नहीं जानते। यही कारण है कि हमें पवित्र आत्मा के प्रकाशन की आवश्यकता है—वही हमें समझा सकता है कि कैसे मसीह ही परमेश्वर हैं और पवित्र आत्मा भी वही परमेश्वर हैं।

पतरस का प्रकाशन
यह रहस्य हमें मत्ती 16:13-19 में दिखाई देता है:

“जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्र में पहुँचे तो
उन्होंने अपने शिष्यों से पूछा, ‘लोग मनुष्य के पुत्र को कौन कहते हैं?’
उन्होंने कहा, ‘कुछ लोग कहते हैं, यूहन्ना बपतिस्मा
देनेवाला; और कुछ कहते हैं, एलिय्याह; और कुछ कहते हैं, यिर्मयाह, या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई।’
उसने उनसे कहा, ‘परन्तु तुम क्या कहते हो, मैं कौन हूँ?’ शमौन पतरस ने उत्तर दिया, ‘तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।’
यीशु ने उससे कहा, ‘हे शमौन, योना के पुत्र, तू धन्य है;

परमेश्वर के रहस्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

क्योंकि यह बात तुझ पर प्रकट करनेवाला शरीर और लहू नहीं, परन्तु मेरा पिता है जो स्वर्ग में है। और मैं तुझसे कहता
हूँ, कि तू पतरस है, और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया
बनाऊँगा और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। और मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ दूँगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बँधा जाएगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खोला जाएगा।’”

कई लोग, विशेषकर कैथोलिक कलीसिया, इस “चट्टान” को पतरस मानते हैं और इस आधार पर उन्हें पहला “पोप” मानते हैं। परन्तु वास्तव में यीशु ने पतरस को नहीं, बल्कि उस प्रकाशन को “चट्टान” कहा—वह प्रकाशन जो पतरस को स्वर्गीय पिता से मिला था कि यीशु ही जीवते परमेश्वर के पुत्र हैं।

केवल आत्मा से समझ
इसीलिए प्रेरित पौलुस लिखते हैं:

“परन्तु परमेश्वर ने हमें वह बातें आत्मा के द्वारा प्रगट कीं; क्योंकि आत्मा सब बातें, वरन् परमेश्वर की गूढ़ बातें
भी जांचता है।”
(1 कुरिन्थियों 2:10)

परमेश्वर के रहस्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

और वे आगे कहते हैं:

“उसने हमें नए वाचा के ऐसे सेवक बनाए हैं जो अक्षर के नहीं,
वरन् आत्मा के हैं; क्योंकि अक्षर घात करता है परन्तु आत्मा जीवन देता है।”
(2 कुरिन्थियों 3:6)

अर्थात् केवल अक्षर (लिखा हुआ शब्द) पर टिके रहना पर्याप्त नहीं है। बिना पवित्र आत्मा के, शास्त्रों की व्याख्या भटकाती है।

पहेली का उत्तर
अब चलो वापस अपनी पहली पहेली पर:
“दाऊद हफ़्ते में सौ बार दाढ़ी बनाता है, फिर भी उसकी ठोड़ी पर बाल रहते हैं—क्यों?”

उत्तर यह है कि दाऊद स्वयं नाई (क्षौर करनेवाला) है। वह अपने ग्राहकों की दाढ़ी-मूँछ बनाता है, अपनी नहीं!

यदि तुमने यह सोचा कि उसकी अपनी ही दाढ़ी हफ़्ते में सौ बार बनती है और फिर भी उग आती है, तो तुम गलत थे। यही बाइबल का स्वभाव है—कई जगह यह रहस्यमय और पहेलीनुमा होती है। यदि हम केवल अक्षर

परमेश्वर के रहस्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

पर टिके रहें तो गलतफहमी हो सकती है, परन्तु पवित्र आत्मा हमें सही अर्थ सिखाता है।

निष्कर्ष
यदि हम यीशु को केवल एक समस्या-सुलझानेवाले, चंगाई देनेवाले, या आशीष देनेवाले के रूप में ही देखें, और यह न समझें कि वह हमारे पापों से छुटकारा दिलाने और हमें अनन्त जीवन देने आए थे, तो हम आत्मिक रूप से निर्धन ही रहेंगे—even अगर भौतिक रूप से समृद्ध हों।

इसलिए हमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता है कि वह हमें पूर्ण रूप से मसीह का प्रकाशन दे।

प्रिय पाठक, यदि तुमने अब तक अपने जीवन को मसीह को नहीं सौंपा है, तो दरवाज़ा आज भी खुला है। परन्तु यह हमेशा खुला नहीं रहेगा। तुरही शीघ्र ही बजेगी, और मसीह अपने छुटकारा पाए लोगों को ले जाएगा। क्या तुम सुनिश्चित हो कि तुम उनके साथ जानेवालों में से होगे?

“मारन था!”
(आओ प्रभु यीशु, आओ!)

परमेश्वर के रहस्य

Ask ChatGPT

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6